भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाएगी सीतारमण

3एम से आरएंडडी, उन्नत विनिर्माण और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला में निवेश बढ़ाने का किया आग्रह

नवभारत न्यूज़

एशविल, 31 अगस्त केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी 3एम से भारत में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), उन्नत विनिर्माण और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला के विकास में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया.

उन्होंने कहा कि भारत तेजी से प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक विनिर्माण के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है. ऐसे में वैश्विक कंपनियों के लिए भारत में निवेश और विस्तार के बड़े अवसर मौजूद हैं. वित्त मंत्रालय के अनुसार, सीतारमण ने अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना स्थित

एशविल में जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक से इतर 3एम के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विलियम ब्राउन से मुलाकात की. दोनों के बीच हुई बैठक में भारत में 3एम की भागीदारी को और मजबूत करने तथा कंपनी के निवेश का दायरा बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा हुई.

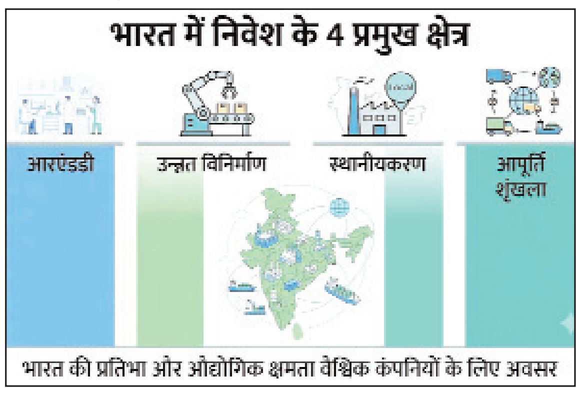

उपभोक्ता बाजार से आगे बढ़ रहा भारत- वित्त मंत्री ने कहा कि भारत अब केवल एक बड़ा उपभोक्ता बाजार नहीं रह गया है, बल्कि उन्नत विनिर्माण, प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार आधारित उत्पादन के लिए वैश्विक मंच के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है. उन्होंने 3एम से भारत की बढ़ती औद्योगिक क्षमता और प्रतिभा का लाभ उठाने का आग्रह किया.

स्थानीयकरण और आरएंडडी बढ़ाने की अपील

सीतारमण ने 3एम से भारत में स्थानीयकरण बढ़ाने, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का विस्तार करने और नई प्रौद्योगिकियों के विकास में अधिक निवेश करने की अपील की. उन्होंने कहा कि भारत में विकसित होने वाले नवाचार केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को भी मजबूत करने में योगदान दे सकते हैं. वित्त मंत्री ने कंपनी से उन्नत विनिर्माण क्षमताओं, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क और आरएंडडी केंद्रों में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया.

बैंकिंग से यूपीआई तक एक होगा समय

नवभारत न्यूज़

नई दिल्ली, 31 अगस्त. केंद्र सरकार 'वन नेशन, वन टाइम' पहल के तहत लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स, 2026 लागू करने जा रही है. यह व्यवस्था मार्च 2027 से लागू होगी. इसका उद्देश्य बैंकिंग, यूपीआई, शेयर बाजार, 5जी, बिजली ग्रिड और रेलवे जैसी महत्वपूर्ण डिजिटल सेवाओं में एक समान और सटीक समय व्यवस्था सुनिश्चित करना है.

इस बदलाव का असर आम लोगों की घड़ी या मोबाइल के समय पर नहीं पड़ेगा. बदलाव उन डिजिटल प्रणालियों में होगा, जो अलग-अलग सेवाओं के लिए समय का इस्तेमाल करती हैं. एक समान भारतीय समय स्रोत होने से अलग-अलग सर्वर के समय में अंतर कम होगा और लेन-देन व डेटा के टाइम-स्टैंप अधिक सटीक होंगे.

ब्यूटी बाजार को नया रूप देंगे जेन जी

42 अरब डॉलर तक पहुंचेगा ब्यूटी बाजार

50% खर्च जेन जी-जेन अल्फा का होगा

नवभारत न्यूज

नई दिल्ली, 31 अगस्त प्रोडक्ट्स का बाजार तेजी से बढ़ रहा है. स्किनकेयर, हेयरकेयर, मेकअप और यूमिंग प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग के चलते यह सेक्टर आने वाले वर्षों में करीब दोगुना हो सकता है.

आदित्य बिड़ला कैपिटल की , भारत का ब्यूटी और पर्सनल केयर बाजार वित्त वर्ष 2026 के 23 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2031 तक करीब 42 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है. यानी करीब 5 साल में मार्केट साइज लगभग दोगुना होने का अनुमान है. पीढ़ी पारंपरिक लेबल से दूर रहकर इंक्लूसिविटी, अभिव्यक्ति और ऑथेंटिसिटी को महत्व देती है. इसी वजह से उनके उपभोक्ता व्यवहार में भी नई चीजें आजमाने, सौंदर्य और नए अनुभवों रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2031 तक दुनिया का चौथा सबसे बड़ा ब्यूटी और पर्सनल केयर बाजार बन सकता है. इस सेक्टर के करीब 12 फीसदी की सालाना कंपाउंड ग्रोथ रेट से बढ़ने का अनुमान है.

बड़ी ग्रोथ की गुंजाइश अभी भी भारत में ब्यूटी प्रोडक्ट्स खरीदने वाले लोगों की संख्या अभी कुल इंटरनेट यूजर्स के मुकाबले काफी कम है. फिलहाल करीब 14 करोड़ लोग सक्रिय रूप से ब्यूटी और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स खरीदते हैं, यह संख्या वित्त वर्ष 2030 तक बढ़कर करीब 20 करोड़ होने का अनुमान है. इसका मतलब है कि आने वाले समय में नए ग्राहक इस बाजार से जुड़ सकते है. इंटरनेट, सोशल मीडिया और ऑनलाइन शॉपिग की आसान सुविधा ने ब्यूटी प्रोडक्ट्स तक लोगों की पहुंच पहले से काफी बढ़ा दी है.

नए ब्यूटी ब्रांड् की भी बढ़ेगी संख्या

आने वाले वर्षों में ब्यूटी प्रोडक्ट्स की खरीदारी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से बढ़ने की उम्मीद है ब्यूटी बाजार में ऑनलाइन बिक्री की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2026 के 25 फीसदी से बढ़कर 2031 तक 34 फीसदी हो सकती है. वहीं, संगठित ऑफलाइन रिटेल की हिस्सेदारी भी 27 फीसदी से बढ़कर 32 फीसदी तक पहुंच सकती है.

दीक्षा समारोह और पासिंग आउट परेड संपन्न

नागपुर, 31 अगस्त 2026: वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र, इंदोरा, नागपुर में आज दीक्षांत समारोह एवं पासिंग आउट परेड सफलता पूर्वक संपन्न हुआ.

इस समारोह में नागपुर के पुलिस आयुक्त श्री विश्वास नांगरे पाटिल, भा.पु.से ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया. समारोह में प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके कोल इंडिया के सभी अनुषंगीयों से आए अधिकारियों और विभागीय सुरक्षाकर्मियों के शानदार अनुशासन, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा का भव्य प्रदर्शन किया गया. मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया तथा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रदर्शित उच्च स्तर के अनुशासन एवं व्यावसायिक दक्षता की सराहना की.

शेयर बाजारों में बिकवाली, सेंसेक्स 307 अंक लुढ़का

मुंबई, 31 अगस्त अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में तेजी से सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 307 अंक लुढ़क गया. सेंसेक्स सुबह करीब 134 अंक टूटकर 77,131 अंक पर खुला पूरे दिन लाल निशान में रहा. बीच कारोबार में 76,751 अंक तक गिरने के बाद अंत में 307.24 अंक (0.40 प्रतिशत) नीचे 76,957.27 अंक पर बंद हुआ.नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 95.25 अंक यानी 0.39 प्रतिशत गिरकर 24,080.40 अंक पर आ गया.

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में आज तेजी रही. लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल तीन प्रतिशत से अधिक की बढ़त में 91 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया.

भारतीय शेयर बाजार में लौटे विदेशी निवेशक

अगस्त में एफपीआई ने लगाए 30,919 करोड़ रुपये

लगातार दूसरे महीने खरीदारी से बढ़ा भरोसा

नवभारत न्यूज

मुंबई, 31 अगस्त भारतीय शेयर बाजार के लिए विदेशी निवेशकों को लेकर अच्छी खबर आई है. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अगस्त में लगातार दूसरे महीने भारतीय शेयर बाजार में खरीदार रहे. उन्होंने अगस्त में भारतीय शेयरों में 30,919 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया.

इससे पहले जुलाई में भी विदेशी निवेशकों ने करीब 20,200 करोड़ रुपये भारतीय शेयरों में लगाए थे. लगातार दो महीने विदेशी निवेश बढ़ने से माना जा रहा है कि भारत के शेयर बाजार

को लेकर विदेशी निवेशकों का भरोसा धीरे-धीरे वापस आ रहा है. यह बदलाव इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे पहले विदेशी निवेशक लगातार चार महीने भारतीय बाजार से पैसा निकाल रहे थे.

मार्च से जून के बीच उन्होंने बड़े पैमाने पर भारतीय शेयर बेचे थे. अकेले मार्च में ही विदेशी निवेशकों ने करीब 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी फपीआईएसस जून तिमाही में भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन में कुछ सुधार देखने को मिला है. इससे अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट की आशंका कम हुई है. कंपनियों की कमाई में सुधार से बाजार की चिंता कुछ कम हुई है. हालांकि, पूरे साल का आंकड़ा अभी भी विदेशी निवेशकों के भारत से दूर रहने की तस्वीर दिखाता है.

रूस को पेट्रोल भेज रहा भारत

रूस को 10 लाख बैरल पेट्रोल सप्लाई

रूसी ईंधन उत्पादन 70 प्रतिशत तक घटा

नवभारत न्यूज

नयी दिल्ली, 31 अगस्त भारत और रूस के बीच दशकों पुरानी दोस्ती है. रूस अभी भी भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर है. इसी बीच भारत ने भी रूस की ईंधन सप्लाई में बड़ी मदद की है.

शिप ट्रैकिंग डेटा के आंकड़ों से पता चला है कि यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण रूस की

रिफाइनरियों पर पड़े असर से ईंधन इंपोर्ट में आई तेजी के बीच भारत रूस को गैसोलीन का एक प्रमुख सप्लायर बनकर उभरा है ऊर्जा विश्लेषण कंपनी वोर्टेक्सा के अनुसार रिफाइनरियों पर बार-बार हुए हमलों के कारण घरेलू ईंधन उत्पादन प्रभावित होने से अगस्त में रूस का समुद्री मार्ग से गैसोलीन आयात बढ़कर रिकॉर्ड लगभग 1,25,000 बैरल प्रतिदिन पर पहुंच गया, जो महीने के लिए अनुमानित 4,70,000 टन के बराबर है.

व्यापारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय रिफाइनरियों ने पिछले दो महीनों में रूस को लगभग 10 लाख बैरल गैसोलीन की सप्लाई की. यह आपूर्ति मुख्य रूप से गुजरात स्थित वाडिनार रिफाइनरी से हुई, बता दें कि इस रिफाइनरी का संचालन नायरा एनर्जी करती है और साथ ही रूस की रोसनेफ्ट की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है.

भारत-ब्राजील व्यापार को मिलेगी नई रफ्तार

2030 तक 30 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य

दवा-रसायन, मशीनरी क्षेत्र में बढ़ेगा सहयोग

नयी दिल्ली, 31 अगस्त भारत और ब्राजील ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 30 अरब डॉलर करने का लक्ष्य तय किया है. दोनों देशों ने व्यापार को अधिक विविध, संतुलित और टिकाऊ बनाने के लिए दवा, रसायन, इंजीनियरिंग उत्पाद, मशीनरी और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है. यह लक्ष्य 31 अगस्त को ब्रासीलिया में हुई भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र की आठवीं बैठक में दोहराया गया. बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल, ब्राजील के विदेश व्यापार सचिव तातियाना लासेर्दा प्राजेरेस ने की. दोनों पक्षों ने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी के तहत व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की.

माणिक सरकार-स्वामीनाथन सम्मानित

माणिक सरकार को 'एरा सेझियन पुरस्कार', स्वामीनाथन को 'डॉ. नवलेर पुरस्कार' से नवाजा

चेन्नई, 31 अगस्त. नवलेर-सेझियन फाउंडेशन ने त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार और तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी.वी. स्वामीनाथन को उनके सार्वजनिक जीवन और जनसेवा में योगदान के लिए सम्मानित किया.

वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई में आयोजित समारोह में माणिक सरकार को उनके सादगीपूर्ण जीवन, सार्वजनिक जिम्मेदारियों के

लिए प्रतिबद्धता और त्रिपुरा की जनता की समर्पित सेवा के लिए 'एरा सेझियन पुरस्कार' प्रदान किया गया. वहीं स्वामीनाथन को तमिलनाडु के लोगों के कल्याण के लिए उनके योगदान को देखते हुए 'डॉ. नवलेर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया. तमिलनाडु के पूर्व मंत्री और नवलेर-सेझियन फाउंडेशन के सदस्य एन. नल्लुसामी ने वी.वी. स्वामीनाथन को डॉ. नवलेर पुरस्कार प्रदान किया. असम, तमिलनाडु और पंजाब के पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने माणिक सरकार को एरा सेझियन पुरस्कार प्रदान किया. कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन और वीआईटी के उपाध्यक्ष डॉ. जी.वी. सेल्वम भी मौजूद रहे.

समाचार विशेष

सपा के 7 बागी बने भाजपा के लिए टिकट संकट

लखनऊ, 31 अगस्त. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले भारतीय जनता पार्टी के सामने कुछ सीटों पर टिकट को लेकर मुश्किल स्थिति बनती दिखाई दे रही है. 2024 के राज्यसभा चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी से बगावत कर बीजेपी के पक्ष में खड़े हुए सात विधायक अब आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी के टिकट की उम्मीद लगाए हुए हैं.

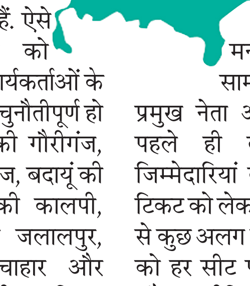

दूसरी ओर, इन्हीं सीटों पर पार्टी के पुराने नेता और पूर्व प्रत्याशी लंबे समय से अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं. ऐसे में बीजेपी नेतृत्व को बागियों और पुराने कार्यकर्ताओं के बीच संतुलन साधना चुनौतीपूर्ण हो सकता है. अमेठी की गौरीगंज, अयोध्या की गोसाईगंज, बदायूं की बिसौली, जालौन की कालपी, अंबेडकर नगर की जलालपुर, रायबरेली की ऊंचाहार और कौशांबी की चायल सीट पर टिकट को लेकर अलग-अलग समीकरण बन रहे हैं. गौरीगंज में राकेश प्रताप सिंह के सामने बीजेपी के पूर्व प्रत्याशी चंद्र प्रकाश मिश्रा मटियारी की दावेदारी है. गोसाईगंज में अभय सिंह और पूर्व विधायक खब्बू तिवारी के बीच मुकाबले की चर्चा है. वहीं बिसौली में आशुतोष मौर्य के सामने कुशाग्र सागर मजबूत दावेदार बताए जा रहे हैं. कालपी में विनोद चतुर्वेदी की दावेदारी के साथ निषाद पार्टी से जुड़े छोटे सिंह का समीकरण भी महत्वपूर्ण हो जाता है. जलालपुर में राकेश पांडे और उनके बेटे रितेश पांडे के अलावा बीजेपी के पुराने दावेदार भी सक्रिय हैं.

ऊंचाहार में मनोज कुमार पांडे के सामने बीजेपी ने अपने प्रमुख नेता अमरपाल मौर्य को पहले ही दूसरी राजनीतिक जिम्मेदारियां दी हैं, जिससे यहां टिकट को लेकर तस्वीर अन्य सीटों से कुछ अलग दिखाई देती है. पार्टी को हर सीट पर स्थानीय जातीय और राजनीतिक समीकरणों का भी ध्यान रखना होगा.

पूजा पाल की दावेदारी ने बढ़ाई दिलचस्पी

कौशांबी की चायल सीट पर पूजा पाल की स्थिति बाकी सीटों से अलग मानी जा रही है. उन्हें बीजेपी संगठन में जिम्मेदारी मिलने के बाद उनकी राजनीतिक भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है. क्षेत्र में ओबीसी मतदाताओं के बीच उनकी पकड़ को भी पार्टी के लिए अहम माना जा रहा है. दूसरी ओर, अन्य सीटों पर बीजेपी के पुराने नेता टिकट की उम्मीद लगाए बैठे हैं. ऐसे में पार्टी के लिए सिर्फ चुनाव जीतने की संभावना ही नहीं, बल्कि संगठन के भीतर संभावित नाराजगी को संभालना भी बड़ी चुनौती होगी.

राजनीति की नर्सरी में फिर दस्तक

33 वर्षों बाद पैतृक गांव लौटेगा अजय चौटाला परिवार

चंडीगढ़, 31 अगस्त. राजनीति के केंद्र बिंदु माने जाने वाले पैतृक गांव चौटाला में करीब 33 साल बाद जजपा सुप्रीमो डॉ. अजय चौटाला परिवार ने नये आशियाने की नींव रखी. इसे अजय चौटाला परिवार की पुश्तैनी जड़ों से जुड़ने की इच्छा माना जा रहा है, लेकिन डबवाली की राजनीति में इसके अलग ही सियासी संकेत तलाशे जा रहे हैं.

रक्षाबंधन पर्व पर शुक्रवार को गौशाला और अनाज मंडी के समीप 2 एकड़ जमीन पर धार्मिक अनुष्ठान के साथ इस आवास का

शिलान्यास किया गया, जिसमें पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और दिग्विजय चौटाला भी शामिल हुए. करीब 3 दशक पहले बच्चों की उच्च शिक्षा और राजनीतिक व्यस्तताओं के चलते वर्ष 1993-94 में शिफ्ट हुए अजय चौटाला ने आवास की नींव रखने के बाद इन पलों को अपने सोशल मीडिया पर साझा किया. पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि गांव में अपना घर होना हर व्यक्ति की दिली इच्छा होती है, और लगभग एक साल से पूरे परिवार की सहमति के बाद जड़ों की ओर लौटने का यह निर्णय लिया गया है.

बता दें कि देश के उप प्रधानमंत्री बनने के बावजूद 'जननायक' चौधरी देवीलाल का निवास गांव चौटाला में ही रहा. उनके दूसरे सुपुत्र चौधरी प्रताप

राजनीति का ऐतिहासिक शक्ति केंद्र रहा गांव

उत्तर भारत की राजनीति में गांव चौटाला का विशेष स्थान है. इस गांव ने देश को उप-प्रधानमंत्री (चौधरी देवीलाल) और 2 मुख्यमंत्री (चौधरी देवीलाल व चौधरी ओमप्रकाश चौटाला) व एक डिप्टी सीएम (दुष्यंत चौटाला) दिए हैं. इसके अलावा, इस गांव से चौटाला परिवार और अन्य नेताओं को मिलाकर कुल 14 से अधिक विधायक बनें हैं, इनमें चौधरी साहिब राम, चौधरी देवीलाल, ओमप्रकाश चौटाला, प्रताप चौटाला, रणजीत सिंह, अजय चौटाला, अभय चौटाला, नैना चौटाला, दुष्यंत चौटाला आदि शामिल हैं.

आप से तालमेल, फिर गलती दोहराएगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 31 अगस्त. कांग्रेस पार्टी वही गलती करने जा रही है, जो उसने 2016 और 2021 के केरल व पश्चिम बंगाल चुनाव के समय किया था. कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में वामपंथी पार्टियों के साथ तालमेल कर लिया, जबकि केरल में उसे वामपंथी मोर्चे के खिलाफ लड़ना था.

नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस दोनों चुनाव केरल में बुरी तरह से हारी. इसका कारण यह था कि कांग्रेस मतदाताओं को यकीन नहीं दिला सकी कि वह और वामपंथी पार्टियां अलग हैं. इसलिए लोकसभा में केरल के लोगों ने कांग्रेस को वोट किया और विधानसभा में लेफ्ट मोर्चा का. अभी पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं और ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस वही गलती दोहराने जा रही है. कांग्रेस को पंजाब में आम आदमी पार्टी के खिलाफ सीधी लड़ाई लड़नी है. लेकिन वह उसी आम आदमी पार्टी से गोवा में तालमेल की बात कर रही है.

विशेष मिलने वाले हर नेता को लेकर कोई न कोई कहानी चल रही

जो मोदी से मिला वह मंत्री बनेगा!

नई दिल्ली, 31 अगस्त. पता नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रिपरिषद में फेरबदल कब करेंगे लेकिन उससे पहले मंत्रियों की कई तरह की सूचियां बाजार में घूम रही हैं. अलग अलग लोगों के दावे किए जा रहे हैं. राज्यों के हिसाब से गणित बैठाया जा रहा है. इस बीच भाजपा के जानकार नेता दावे के साथ कह रहे हैं कि पिछले कुछ दिनों में जितने लोग प्रधानमंत्री मोदी से मिले हैं वे मंत्री बनेंगे या उनकी पार्टी का प्रतिनिधित्व सरकार में बढ़ेगा.

प्रधानमंत्री से मिलने वाले हर नेता को लेकर कोई न कोई कहानी चल रही है. राज्यपालों की सूची भी उसी हिसाब से तैयार की जा रही है. जेपी नड्डा की टीम से

हटाए गए कुछ लोगों के नाम की चर्चा है तो भाजपा संसदीय बोर्ड से हटा कर कुछ लोगों को लोकभवन भेजने की बातें कही जा रही हैं.

बहरहाल, अगर मंत्रिपरिषद की बात करें तो उस लिहाज से पिछले कुछ दिनों में खास कर संसद के मानसून सत्र के दौरान या उसके तुरंत बाद मिलने वाले नेताओं की सूची पर नजर रखने को कहा जा रहा है. इस लिहाज से बादल परिवार की चर्चा नंबर एक पर है. सुखबीर बादल प्रधानमंत्री से मिल कर लौटे हैं और कहा जा रहा है कि उनकी पत्नी हरसिमरत कौर बादल मंत्री बन सकती हैं. वे काफी समय तक मोदी सरकार में मंत्री रही हैं.

दूसरे नंबर पर शरद पवार की चर्चा है. शरद पवार अपनी बेटी सुप्रिया सुले के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिले थे और बाद में सुप्रिया सुले ने अपनी पार्टी के सांसदों के साथ जाकर मोदी से मुलाकात की थी. बेटी की शादी के रिसेप्शन का कार्ड देना एक बहाना था. कुछ दिन पहले चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिलने गए थे. उनकी पार्टी का वजन सरकार में बढ़ाए जाने की चर्चा है. सरकार टीडीपी के जरिए दक्षिण भारत की पार्टियों और नेताओं को एक मैसेज देना चाहती है. ध्यान रहे हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दक्षिण भारत के दौरे पर गए थे और वहां सभी नेताओं से मिल कर लौटे हैं.

10 दिन में चार मुख्यमंत्रियों से मिले

बहरहाल, ममता बनर्जी की पार्टी से दलबदल करने वाले नेताओं की मुलाकात की भी चर्चा है. उममें खास कर तौर से सयानी घोष की ओर इशारा किया जा रहा है. वे तृणमूल कांग्रेस की फायरब्रांड नेता रही हैं. कुछ लोग कह रहे हैं कि उनको भाजपा के प्रवक्ताओं की सूची में शामिल किया जा सकता है. लेकिन दूसरी चर्चा केंद्र में मंत्री बनने की है. गौरतलब है कि प्रधानमंत्री संसद सत्र के दौरान उन नेताओं से मिल रहे थे, जो दूसरी पार्टियों से आकर भाजपा में शामिल हुए हैं. इसी क्रम में आम आदमी पार्टी के दलबदलु नेताओं से भी उनकी मुलाकात हुई. उनमें से कौन मंत्री बनेगा इस बात के कयास हैं. राघव चड्ढा या क्रिकेटर हरभजन सिंह या कोई और? इतना तय है कि दलबदल करने वालों को बड़ा इनाम मिलेगा. पिछले 10 दिन में प्रधानमंत्री चार मुख्यमंत्रियों से मिले. सबसे ताजा मुलाकात असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से हुई. उससे पहले देवेंद्र फड़नवीस, योगी आदित्यनाथ और विष्णुदेव साय की मुलाकात हुई थी. लेकिन चर्चा सिर्फ फड़नवीस की है.